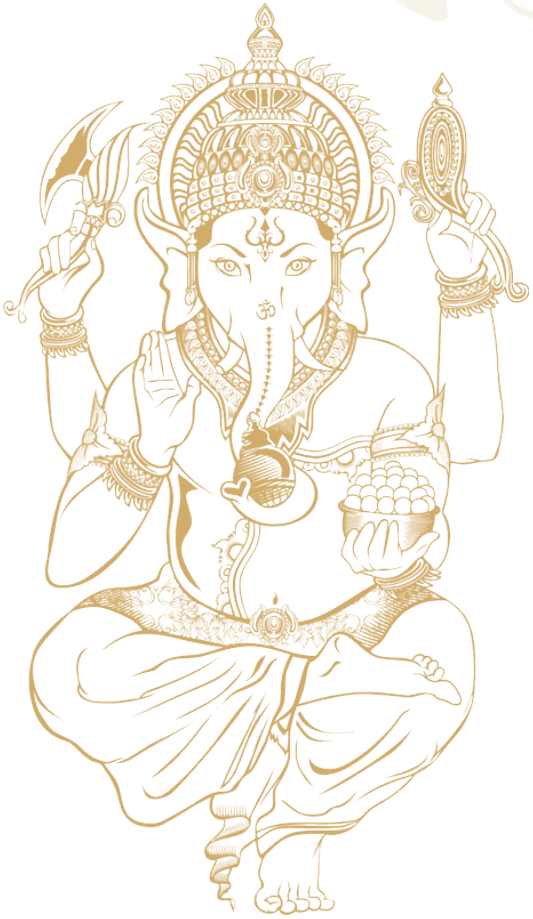

Neha

16 Apr 1998

02:04 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121418102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/04/1998**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:04:00 घंटे**
इष्ट	20:28:24 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:46:16 घंटे
वेलान्तर	00:00:07 घंटे
साम्पातिक काल	03:23:26 घंटे
सूर्योदय	05:52:38 घंटे
सूर्यास्त	18:43:05 घंटे
दिनमान	12:50:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:19:31 मेष
लग्न के अंश	01:46:27 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	01:46:27	312:27:19	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	02:19:31	00:58:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	21:20:00	12:21:50	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	मेष	08:38:20	00:44:40	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध	व	अ	मीन	16:37:56	00:20:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	22:43:50	00:12:44	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			कुंभ	16:54:02	01:04:47	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि		अ	मीन	29:52:43	00:07:36	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
राहु	व		सिंह	15:32:59	00:07:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	15:32:59	00:07:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:30:44	00:01:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:14:30	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:52:52	00:01:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मेष	29:24:57	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:52

लग्न-चलित

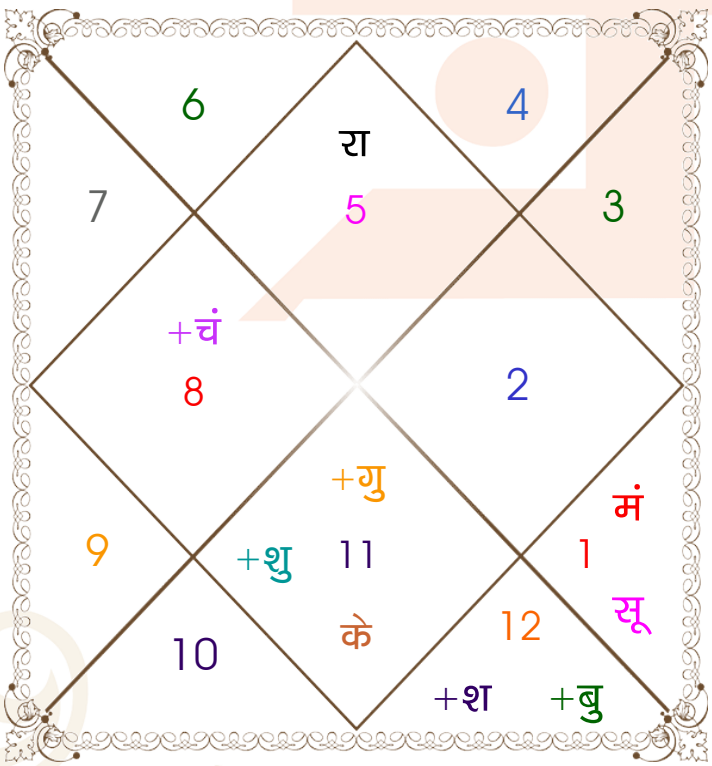

चन्द्र कुंडली

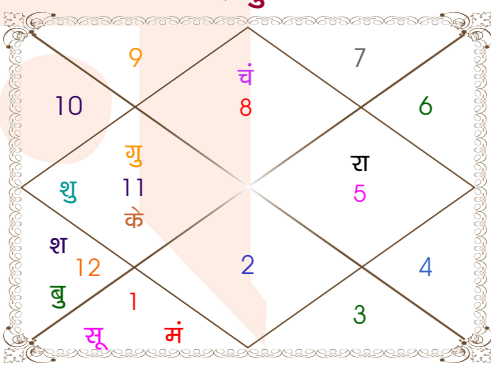

नवमांश कुंडली

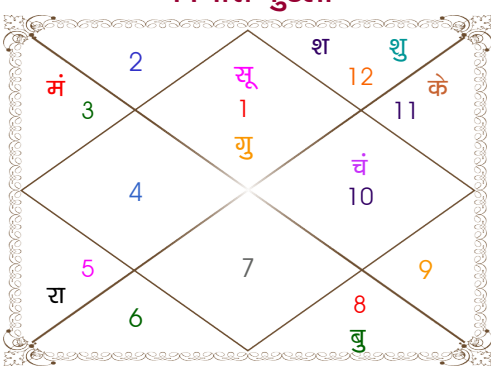

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 0 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/04/1998		04/05/2009		04/05/2016		04/05/2036		04/05/2042	
04/05/2009		04/05/2016		04/05/2036		04/05/2042		04/05/2052	
	00/00/0000	केतु	30/09/2009	शुक्र	03/09/2019	सूर्य	21/08/2036	चंद्र	05/03/2043
	16/04/1998	शुक्र	30/11/2010	सूर्य	03/09/2020	चंद्र	20/02/2037	मंगल	04/10/2043
शुक्र	29/07/1998	सूर्य	07/04/2011	चंद्र	04/05/2022	मंगल	28/06/2037	राहु	04/04/2045
सूर्य	04/06/1999	चंद्र	06/11/2011	मंगल	05/07/2023	राहु	23/05/2038	गुरु	04/08/2046
चंद्र	03/11/2000	मंगल	03/04/2012	राहु	04/07/2026	गुरु	11/03/2039	शनि	04/03/2048
मंगल	31/10/2001	राहु	22/04/2013	गुरु	04/03/2029	शनि	21/02/2040	बुध	03/08/2049
राहु	19/05/2004	गुरु	29/03/2014	शनि	04/05/2032	बुध	27/12/2040	केतु	05/03/2050
गुरु	25/08/2006	शनि	08/05/2015	बुध	05/03/2035	केतु	04/05/2041	शुक्र	03/11/2051
शनि	04/05/2009	बुध	04/05/2016	केतु	04/05/2036	शुक्र	04/05/2042	सूर्य	04/05/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/05/2052		05/05/2059		04/05/2077		04/05/2093		05/05/2112	
05/05/2059		04/05/2077		04/05/2093		05/05/2112		00/00/0000	
मंगल	30/09/2052	राहु	15/01/2062	गुरु	22/06/2079	शनि	07/05/2096	बुध	02/10/2114
राहु	19/10/2053	गुरु	09/06/2064	शनि	03/01/2082	बुध	15/01/2099	केतु	29/09/2115
गुरु	24/09/2054	शनि	16/04/2067	बुध	10/04/2084	केतु	24/02/2100	शुक्र	17/04/2118
शनि	03/11/2055	बुध	03/11/2069	केतु	16/03/2085	शुक्र	27/04/2103		00/00/0000
बुध	30/10/2056	केतु	21/11/2070	शुक्र	15/11/2087	सूर्य	08/04/2104		00/00/0000
केतु	29/03/2057	शुक्र	21/11/2073	सूर्य	03/09/2088	चंद्र	07/11/2105		00/00/0000
शुक्र	29/05/2058	सूर्य	16/10/2074	चंद्र	03/01/2090	मंगल	17/12/2106		00/00/0000
सूर्य	04/10/2058	चंद्र	16/04/2076	मंगल	10/12/2090	राहु	23/10/2109		00/00/0000
चंद्र	05/05/2059	मंगल	04/05/2077	राहु	04/05/2093	गुरु	05/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकती हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकती हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करती हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगी तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगी। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगी तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगी। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने की अभिलाषी रही तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करती हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाली मुलायम और घने बालों वाली समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाली एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग महिला है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राघीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकती हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगी। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पति को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।

ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।